भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.12.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 74 का उत्तर

माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व

74. श्री सी.एन. अन्नादुरई:
श्री धनुष एम. कुमार:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्री जी. सेल्वम:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्री गजानन कीर्तिकर:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान रेलवे द्वारा माल परिवहन के माध्यम से जोन-वार कुल कितना राजस्व अर्जित किया गया है;
(ख) क्या माल ढुलाई राजस्व में सड़क की तुलना में रेल मार्ग का हिस्सा बहुत कम है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या रेलवे का लक्ष्य 2030 तक माल ढुलाई में अपनी हिस्सेदारी वर्तमान 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत करने का है और यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;
(घ) क्या सरकार के पास समर्पित माल गलियारा के सभी खंडों को चालू करने के लिए कोई समय-सीमा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) पिछले तीन वर्षों में सरकार द्वारा रेलवे द्वारा माल ढुलाई से राजस्व बढ़ाने के लिए वर्ष-वार क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व के संबंध में दिनांक 07.12.2022 को लोक सभा में श्री सी.एन. अन्नादुरई, श्री धनुष एम. कुमार, श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री जी. सेल्वम, डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस., डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे, श्रीमती मंजुलता मंडल, डॉ. सुभाष रामराव भामरे, श्री गजानन कीर्तिकर, श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले और श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे के अतारांकित प्रश्न सं. 74 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): पिछले तीन वर्षों में माल-भाड़ा परिवहन से सृजित राजस्व का जोन-वार विवरण निम्नानुसार है :

(रु. करोड़ में)

रेलवे	2019-20	2020-21	2021-22(अस्थायी)
मध्य रेलवे	7267.53	7022.88	9243.03
पूर्व रेलवे	4047.25	4483.80	5487.43
पूर्व मध्य रेलवे	8784.44	9415.00	11564.75
पूर्व तट रेलवे	15894.37	16913.89	18511.22
उत्तर रेलवे	6768.42	7249.66	9823.38
उत्तर मध्य रेलवे	8048.32	7577.66	10093.16
पूर्वोत्तर रेलवे	1460.10	1603.42	1643.17
पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे	1932.67	2190.66	2606.52
उत्तर पश्चिम रेलवे	4016.90	4856.63	5228.13
दक्षिण रेलवे	2755.38	2604.04	3112.85
दक्षिण मध्य रेलवे	9905.79	9031.72	12320.14
दक्षिण पूर्व रेलवे	13798.85	13855.63	14734.79
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	12459.32	13430.93	15680.23
दक्षिण पश्चिम रेलवे	2891.50	3061.72	3842.07
पश्चिम रेलवे	5436.92	5949.81	7495.27
पश्चिम मध्य रेलवे	8020.11	7984.37	9710.24
कुल	113487.87	117231.82	141096.38

(ख) और (ग) : भारतीय रेलवे ने भारत के लिए एक राष्ट्रीय रेल योजना (एनआरपी) तैयार की है। एनआरपी का लक्ष्य परिचालन क्षमता और वाणिज्यिक नीति पहलूओं दोनों के आधार पर रणनीति तैयार करना है ताकि रेलवे माल ढुलाई के मॉडल हिस्से को 45% तक बढ़ाया जा सके।

s.k

योजना का उद्देश्य मांग से पहले बुनियादी ढांचा क्षमता तैयार करना है, जो बदले में 2050 तक भविष्य की मांग को भी पूरा करेगा और इसे बनाए रखने के लिए माल यातायात में रेलवे की मॉडल हिस्सेदारी को 45% तक बढ़ा देगा।

(घ): सरकार वर्तमान में दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अर्थात् ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) एवं वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) को क्रियान्वित कर रही है। इन कॉरिडोरों के पूरा होने/परिचालन शुरू करने की समय-सीमा निम्नानुसार हैः-

(i) <u>ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी)</u> :

ईडीएफसी में 1337 किमी में से (538 किमी वाली सोननगर - डानकुनी खंड को छोड़कर, जो सार्वजनिक-निजी भागीदारी माध्यम से किया जा रहा है) भाऊपुर-खुर्जा (351 किमी), भीमसेन-सुजातपुर (155 किमी) और दीन दयाल उपाध्याय - चिराइलपथु (137 किमी), खुर्जा से दादरी (46 किमी) और छिवकी से चुनार (110 किमी) के खंड यानी कुल 799 किमी पर कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और गाड़ियों का परिचालन जारी है। शेष खंडों पर कार्य जोरों पर है और वर्ष 2023 में पूरा करने का लक्ष्य है।

(ii) <u>वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) :</u>

कुल 1506 किमी में से गाड़ियां रेवाड़ी-मेहसाणा-साणंद का 811 किलोमीटर का हिस्सा पहले ही पूरा हो चुका है और इस खंड में गाड़ियां चल रही हैं। शेष खंडों पर कार्य जोरों पर है। डब्ल्यूडीएफसी का 90% से अधिक कार्य 2023 तक कमिशनिंग करने का लक्ष्य है। वैतरणा से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) तक 102 किमी के अंतिम मार्ग को 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

(ङ): माल यातायात राजस्व बढ़ाने के लिए, भारतीय रेलवे ग्राहकों के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। इसका केन्द्र बिन्दु समयबद्ध उपलब्धता, विश्वसनीय सेवा और कार्गो की समुचित संभलाई के लिए माल यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करना है।

*****

s.k